

में एक प्रसिद्धि विशेष की मान्यता और उसका वर्णन जैसे- सुंदरियों के पैर की ठोकर से अशोक का खिलना।

वृक्षनाथ पुं. (तत्.) बड़ का पेड़, वृक्ष नायक, वृक्षपाद, बरगद, बट वृक्ष।

वृक्षराज पुं. (तत्.) वृक्षों का राजा, पारिजात, परजाता, वृक्षराट्।

वृक्षरुहा स्त्री. (तत्.) परगाछा, बंदाका, अमरबेलि, जतुका लता, विदारीकंद।

वृक्षरोपण पुं. (तत्.) वृक्ष लगाने की क्रिया।

वृक्ष-विज्ञान पुं. (तत्.) वन. वृक्षों की विविधताओं सहित उनका समग्र अध्ययन, विवेचन आदि, द्रुमविज्ञान।

वृक्ष विवाह पुं. (तत्.) स्त्री या पुरुष का सांकेतिक रूप में वृक्ष के साथ विवाह-संस्कार करने का धार्मिक अनुष्ठान।

वृक्षायुर्वेद पुं. (तत्.) चिकि. वह शास्त्र जिसमें वृक्षों के रोगों की एवं उनकी चिकित्सा का वर्णन हो।

वृक्षारोपण पुं. (तत्.) दे. वृक्षारोपण।

वृक्षालय पुं. (तत्.) 1. चिड़िया, पक्षी 2. वह जिसने वृक्ष पर अपना घर बनाया हो।

वृक्षाली स्त्री. (तत्.) वृक्षों की पंक्ति, पेड़ों की कतार।

वृक्षावास पुं. (तत्.) 1. वृक्ष के कोटर में रहने वाला तपस्वी, साधु संन्यासी 2. पक्षी, वृक्ष के कोटर में रहने वाला सर्प।

वृक्षीय सिद्धांत पुं. (तत्.) नृविज्ञान में यह विचारधारा कि वृक्षों पर रहना मानव के शारीरिक और मस्तिष्कीय विकास में सहायक होता है।

वृज पुं. (तद्.) दे. ब्रज 2. कतराना, टाल जाना, छोड़ना, परित्याग करना, निकाल देना, अलग रहना, टाला जाना, चुनना।

वृजन पुं. (तत्.) आकाश, संग्राम, पाप, निपटारा, निराकरण, घेरी हुई जमीन, बाड़ा गोचर भूमि चरागाह आदि, आकाश, शक्ति, युद्ध, बाल, घुँघराले बाल, कुटिलता, छल, नीचता।

वृजिन पुं. (तत्.) 1. पाप, गुनाह 2. कुटिल, टेढ़ा 3. दुष्ट, पापी 4. दुःख, कष्ट, पीड़ा, तकलीफ, संकट 5. खाल।

वृति स्त्री. (तत्.) 1. नियुक्त, नियुक्त करना, वरण, चुनाव, छाँट, चयन, दुराव, याचना, प्रार्थना, विनय 2. घेरने या ढकने का उपकरण, छिपाव, दुराव।

वृत्त पुं. (तत्.) 1. अँधेरा, अंधकार 2. मेघ, बादल 3. शत्रु, दुश्मन 4. पुराणों के अनुसार त्वष्टा का पुत्र एक असुर जिसे इंद्र ने मारा था, इसी को मारने के लिए दधीचि ऋषि की हड्डियों का वज्र बना था, इंद्र 5. एक पर्वत, पत्थर 6. धन 7. ध्वनि वि. 1. चरित्र, आचार, आचरण, चाल-चलन, विहित नियम 2. समाचार, इतिहास, संवाद, पटित, वृत्तांत, हाल, जिसका अस्तित्व रहा हो 3. समाप्त इतिहास, गुजरा हुआ, गत, मृत 4. स्थित, दृढ़ 5. जीवित, वर्तमान, पूर्णता को प्राप्त 6. दृढ़, मजबूत 7. पढ़ा हुआ, कथा, कहानी 8. दशा, हालत 9. जीविका का साधन, वृत्ति, पेशा, व्यवसाय, धंधा 10. काव्य. काव्य में एक प्रकार का छंद जिसके प्रत्येक पद में अक्षरों की संख्या और लघु गुरु के क्रम का नियम हो, वर्णिक छंद, प्रत्येक चरण में बीस वर्ण का एक अन्य प्रकार का छंद जिसे गंडका या दंडिका भी कहते हैं 11. वह क्षेत्र जिसका घेरा या परिधि प्रायः गोल हो, वलय, चक्कर 12. अंचल 13. हलका, घेर, इलाका 14. मंडल, दायरा, परिवेष, परिवेश 15. वह गोल रेखा या वर्तुलाकार क्षेत्र जिसका प्रत्येक बिंदु उसके ठीक मध्य में स्थित एक केंद्रबिंदु से समान दूरी पर हो circumference एक छंद 16. तृण 17. वर्तुलाकार मंदिर 18. एक नाग।

वृत्त-अध्ययन पुं. (तत्.) 1. किसी के जीवन, कृतियों, आचार-विचार आदि का अध्ययन, विवेचन